बिहार विधान सभा वादवृत्त

भारत के संविधान के उपबन्ध के अनुसार एकत्र विधान सभा का कार्य-विवरण।

संभा का अधिवेशन पटने के सभा सदन में वृहस्पतिवार तिथि १५ सितम्बर १९५५ को ११ बजे पूर्वाह्न में माननीय अध्यक्ष, श्री विन्ध्येश्वरी प्रसाद वर्मा के सभापतित्व में हुआ।

गत सत्र से लंबित अतारांकित प्रश्नों के उत्तर का मेज पर रखा जाना।

Laying on the table answers to unstarred questions pending from the last session.

श्री राम चरित्र सिंह—महाशय, मैं गत सप्तम (फरवरी-अप्रील, १९५५) सत्र के रुके हुए ६७९ अतारांकित प्रश्नों में से ९५ प्रश्नों के उत्तर मेज पर रखता हूँ। ५८४ अतारांकित प्रश्नों के उत्तर भी सचिवालय के विभागों से प्राप्त होने पर प्रस्तुत किये जायंगे।

अध्यक्ष—उत्तर रखे गए।

ये हैं गत सप्तम (फरवरी—अप्रिल) सत्र में पूछे गये ९५ अतारांकित प्रश्नों के उत्तर। शेष प्रश्नों के उत्तर संबंधित विभागों से प्राप्त होने पर प्रस्तुत किये जायेंगे।

रघुनाथ प्रसाद,
सचिव,
बिहार विधान-सभा।

सामूहिक विकास योजना के अन्तर्गत बने हुए कुएं।

१४८। श्री जगन्नाथ प्रसाद 'स्वतंत्र'—क्या मुख्य-मंत्री यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(क) चम्पारण जिला के शिकारपुर थाना में चलने वाले सामूहिक विकास योजना के अन्तर्गत कितने स्थानों में नये कुएं बने हैं, उन ग्रामों का नाम क्या है, तथा प्रत्येक कुएं में कितने रुपये व्यय किये गये हैं;

(ख) शिकारपुर विकास योजना के अन्तर्गत कितने स्थानों में सड़क, पईन, बांध एवं स्कूल बने हैं, उन ग्रामों का नाम क्या है तथा प्रत्येक योजना में कितने रुपये व्यय हुए हैं?

डा० श्रीकृष्ण सिंह—(क) १९५४-५५ में ७३ कुओं का निर्माण आरंभ हुआ जिनमें ३१ कुएं बन कर तैयार हो चुके हैं, शेष में काम लगा हुआ है। विवरण में प्रत्येक कुएं के मद में खर्च हुए रुपये, गांवों के नाम, इत्यादि अंकित हैं जो मेज पर रखा है।

(ख) विवरण मेज पर रखा है।

सिंहभूम जिला के यातायात विभाग में आदिवासियों की संख्या।

२०१। श्री सुखदेव मांझी—क्या मंत्री, राजनीति (यातायात) विभाग यह बताने की कृपा करेंगे कि—

(क) सिंहभूम जिला में ट्रांसपोर्ट विभाग में कितने किरानी, ड्राइवर, कनडक्टर और खलासी काम कर रहे हैं;

(ख) उनमें से कितने लोग अर्थात् हरेक ओहदे के कर्मचारी आदिवासी भाषा जानते हैं;

(ग) हरेक ओहदे में कितने आदिवासी बहाल किये गये हैं?

श्री महेश प्रसाद सिंह—(क) सिंहभूम जिला के ट्रांसपोर्ट विभाग में ३३ किरानी, ११३ ड्राईवर, १२२ कनडक्टर और २८ खलासी काम कर रहे हैं।

(ख) उनमें से २ किरानी, २५ ड्राइवर, २४ कन्डक्टर और २५ खलासी आदिवासी भाषा जानते हैं।

(ग) प्रत्येक ओहदे में २ आदिवासी किरानी, ६, ड्राइवर, १२, कन्डक्टर और १४ खलासी बहाल किये गये हैं।

श्रमदान से कोशी बांध का निर्माण।

२०२। श्री कर्पूरी ठाकुर—क्या मंत्री, सिंचाई (कोशी योजना) विभाग, यह बताने की कृपा करेंगे कि—

(क) कोशी-योजना में श्रमदान से कितना लम्बा, चौड़ा तथा ऊंचा तटबन्ध बनाने का लक्ष्य प्रारम्भ में रखा गया था;

(ख) अब घटा कर कितना कर दिया गया है;

(ग) लक्ष्य घटाने का क्या कारण है?

श्री रामचरित्र सिंह—(क) पश्चिमी तटबन्ध—२,००० फीट लम्बा, १५ फीट चोटी पर और लगभग १०० फीट जड़ पर चौड़ा तथा लगभग १५ फीट ऊंचा।

पूर्वी तटबन्ध—५,००० फीट लम्बा, १५ फीट चोटी पर, और लगभग १०० फीट जड़ पर चौड़ा तथा लगभग १५ फीट ऊंचा।

(ख) पश्चिमी तटबंध में कोई कमी नहीं की गई है। पूर्वी तटबन्ध की लम्बाई घटाकर २,००० फीट कर दी गई है।

(ग) श्रमदानियों की संख्या में कमी।

SUPPLY OF ELECTRIC FROM D. V. C. MAITHON POWER HOUSE.

203. Shri YOGESHWAR GHOSH : Will the Minister in charge of the Electricity Department be pleased to state the number of villages, markets and towns that are to be supplied with the electricity obtained from D. V. C. Maithon Power House and the time by which these schemes would be completed?

Shri RAM CHARITRA SINGH : About 37 towns and townships and 170 villages are to be supplied. The schemes are expected to be completed by 1961.